DR.PUNAM THAKUR, ASST. PROFESSOR

THE GRADUATE SCHOOL COLLEGE FOR WOMEN JAMSHEDPUR

B. Ed DEPARTMENT

SUBJECT :- PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT SOCIAL SCIENCE

(POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER-II , PAPER-VII A,UNIT-I

TOPIC- MEANING & DEFINATION OFCIVICS (POLITICAL SCIENCE)

Scanned with CamScanner

नागरिकशास्त्र का अर्थ
(MEANING OF CIVICS)

नागरिकशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र प्रारम्भ में दोनों एक ही सामाजिक विज्ञान के रूप में माने जाते थे क्योंकि इन दोनों की उत्पत्ति पाश्चात्य जगत में यूनान के नगर-राज्यों से हुई। नागरिकशास्त्र अंग्रेजी के शब्द **'सिविक्स'** (Civics) का हिन्दी रूपान्तर है। 'Civics' शब्द का उद्‌गम लैटिन भाषा के दो शब्दों से हुआ है—**'सिविस'** (Civis) तथा **'सिविटास'** (Civitas)। सिविस का अर्थ है—नागरिक तथा सिविटास का तात्पर्य है—नगर-राज्य। सिविक्स का व्युत्पत्ति अर्थ है—नगर-राज्य का नागरिक या सदस्य। इस प्रकार नागरिकशास्त्र मनुष्य का नागरिक के रूप में अध्ययन करने वाला शास्त्र है।

राजनीतिशास्त्र (Political Science) शब्द की उत्पत्ति **'पोलिस'** (Polis) शब्द से मानी जाती है जिसका अर्थ है—नगर-राज्य। अतः नागरिकशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र दोनों की उत्पत्ति प्राचीन काल के नगर-राज्यों से मानी जाती है। प्राचीन काल में मनुष्यों का सामाजिक जीवन इन नगर-राज्यों में ही केन्द्रित था। अतः नगर-राज्यों में केन्द्रित मनुष्यों के सामाजिक जीवन का अध्ययन करने वाले शास्त्र को नागरिकशास्त्र कहा गया। परन्तु आज के राज्य बहुत विशाल हैं, उनमें विभिन्न प्रान्तों, जिलों, नगरों, ग्रामों आदि का समावेश है। आज मनुष्य का सामाजिक जीवन नगर-राज्य तक ही सीमित न होकर विशालकाय राज्यों में केन्द्रित है। धीरे-धीरे नगर-राज्य विशाल राज्यों या राष्ट्रों में परिणित हो गये तथा विदेशियों को राष्ट्रीयता एवं दासों को स्वतंत्रता प्रदान कर उन्हें नागरीय अधिकार मिल गये। इस विकास की प्रक्रिया ने नागरिकता तथा नागरिकशास्त्र के क्षेत्र को व्यापक बना दिया।

नागरिकशास्त्र के लक्षण (Essentials of Civics)—नागरिकशास्त्र के अभिप्राय को जानने के लिये उसके लक्षणों पर ध्यान देना आवश्यक है। अतः उसके विविध लक्षण इस प्रकार हैं—

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

1. नागरिकशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय मानव के जीवन की सामाजिकता है।

2. मानव के सामाजिक व सामुदायिक जीवन के विविध रूप हैं—सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, बौद्धिक, धार्मिक आदि। नागरिकशास्त्र इन सभी रूपों पर विचार करता है।

3. समाज का सदस्य होने के कारण मनुष्य के जो कर्त्तव्य व अधिकार होते हैं, नागरिकशास्त्र उनका विवेचन करता है।

4. अपनी सामाजिकता के कारण मानव विभिन्न संघों या समुदायों का निर्माण करता है। इन संघों या समुदायों में 'राज्य' सर्वोत्कृष्ट माना जाता है। नागरिकशास्त्र इन संघों या समुदायों में मनुष्य की सामाजिकता का विवेचन करता है। साथ ही इन समुदायों के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालता है।

नागरिकशास्त्र की परिभाषाएँ
(DEFINITIONS OF CIVICS)

नागरिकशास्त्र एक गतिशील विज्ञान है। इस प्रवृत्ति के फलस्वरूप विभिन्न विद्वानों ने इसको विभिन्न प्रकार से परिभाषित किया है। इसकी विभिन्न परिभाषाओं को देखने पर हम इसके वास्तविक अर्थ को समझने में सफल हो सकते हैं। इस कारण कुछ परिभाषाएँ नीचे दी जा रही हैं—

अरस्तू—"नागरिकशास्त्र वह विज्ञान है जो सम्भव सर्वोत्तम जीवन की दशाओं का अध्ययन करता है।"

"Civics is the science which studies the conditions of the best possible life."

—Aristotle

डॉ. ई. एम. ह्वाइट—"नागरिकशास्त्र न्यूनाधिक रूप से मानव ज्ञान की वह उपयोगी शाखा है जो नागरिक से सम्बन्धित सभी (सामाजिक, बौद्धिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा धार्मिक) पक्षों का प्रतिपादन करती है—चाहे वे भूतकाल, वर्तमान तथा भविष्य के हों, चाहे स्थानीय, राष्ट्रीय तथा मानवीय हों।"

"Civics is that more or less useful branch of human knowledge which deals with everything (*e. g.*, social, intellectual, economic, political and even religious aspect) relating to a citizen, past, present and future, local, national and human." **—Dr. E. M. White**

एफ. जे. गोल्ड—"नागरिकशास्त्र उन संस्थाओं, आदतों, क्रियाओं तथा भावनाओं का अध्ययन करता है जिनके द्वारा कोई स्त्री या पुरुष किसी राजनैतिक समाज की सदस्यता के कर्त्तव्य का पालन कर सके तथा सदस्यता से प्राप्त लाभों को ग्रहण कर सके।"

"Civics is the study of institutions, habits, activities and spirit by means of which a man or woman may fulfil the duties and receives the benefits of membership of a political community."

—F. J. Gould

गैड्स—"नागरिकशास्त्र सामाजिक पर्यवेक्षण को समाज-सेवा में लगाने वाला व्यावहारिक ज्ञान है। सामाजिक समस्याओं तथा उनके विकास का ज्ञान कराना ही उसका उद्देश्य नहीं है वरन् समुदाय के प्रति सक्रिय भक्ति-भावना उत्पन्न कराना भी है।"

"Civics is the application of social survey to social service. The aim of civics is not only to give knowledge of social institutions and their growth, but also to inspire an active devotion to community."

—Geddess

वाइनिंग तथा **वाइनिंग**—"नवीन नागरिकशास्त्र को प्रायः सामुदायिक नागरिकशास्त्र के नाम से पुकारा जाता है, जिसमें सामाजिक वातावरण के प्रति छात्र के सम्बन्धों पर बल दिया जाता है। इस सामाजिक वातावरण के अन्तर्गत स्थानीय समुदाय, ग्रामीण या नगरीय समुदाय, राज्यीय समुदाय, राष्ट्रीय समुदाय तथा विश्व-समुदाय आते हैं।"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner